

## चीन तबिबत में बना रहा नया बाँध

### प्रलिम्स के लिये:

वास्तविक नयितरण रेखा, माब्जा ज़ांगबो नदी, गंगा नदी, ब्रह्मपुत्र नदी ।

### मेन्स के लिये:

तबिबत में चीन द्वारा बनाए जा रहे नए बाँध के नरिमाण पर चिंता ।

## चर्चा में क्यों?

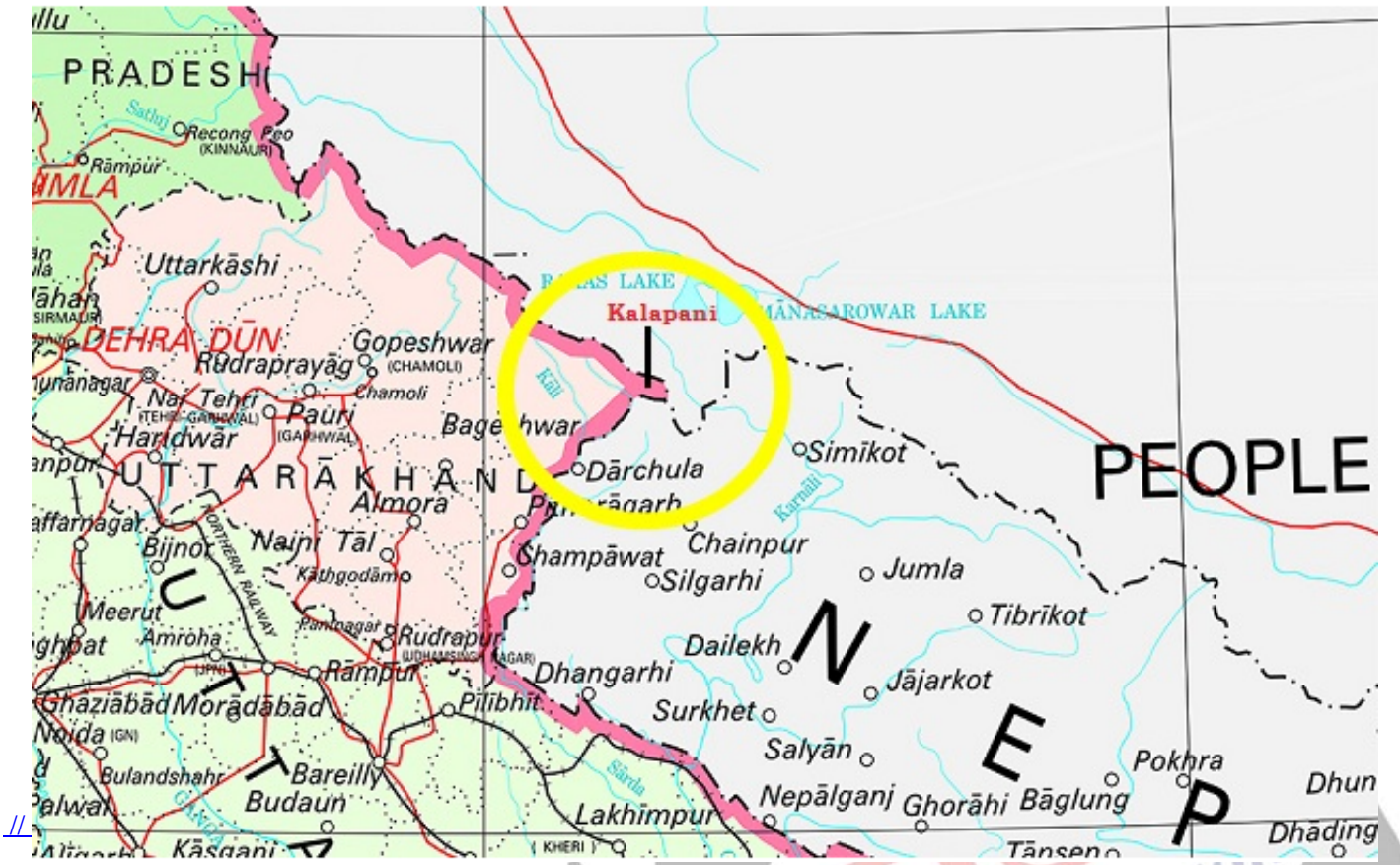
भारत, नेपाल और तबिबत के ट्राई-जंक्शन (Tri-Junction) के करीब चीन द्वारा तबिबत में माब्जा ज़ांगबो नदी पर नए बाँध का नरिमाण, साथ ही **LAC (वास्तविक नयितरण रेखा)** के पूरवी और पश्चिमी क्षेत्रों में सैन्य तैनाती तथा दोहरे उपयोग वाले अवसंरचना के नरिमाण में वृद्धि चिंता का वषिय बना हुआ है ।

## पृष्ठभूमि:

- चीन द्वारा यह कदम वर्ष 2021 में **यारलुंग ज़ांगबो** के नचिले क्षेत्र में 70 गीगावाट बजिली उत्पादन के लिये एक बड़े बाँध के नरिमाण की योजना की घोषणा के बाद उठाया गया है । यह देश के **थ्री गोरजेज़ बाँध (Three Gorges Dam)** द्वारा उत्पादित वदियुत क्षमता से तीन गुना ज़्यादा है, साथ ही **स्थापति क्षमता के मामले में सबसे बड़ा जलवदियुत संयंत्र है** ।
  - **ब्रह्मपुत्र, जिसे चीन में यारलुंग त्संगपो के नाम से जाना जाता है, मानसरोवर झील से निकलने वाली इस नदी की कुल लंबाई 2,880 कमी. है और इसका वतिरण तबिबत में 1,700 कमी., अरुणाचल प्रदेश और असम में 920 कमी. तथा बांग्लादेश में 260 कमी. है । यह मीठे जल के स्रोत का लगभग 30% और भारत की जलवदियुत क्षमता का 40% हसिंसा है ।**

## बाँध की अवस्थिति:

- यह नया बाँध ट्राई-जंक्शन(Tri-Junction) से लगभग 16 कमी. उत्तर में स्थित है और उत्तराखंड के कालापानी क्षेत्र के नज़दीक है ।
- यह बाँध गंगा की एक सहायक नदी मब्ज़ा ज़ांगबो पर बना है ।
- **तबिबत के बुरांग काउंटी में नदी के उत्तरी किनारे** पर बाँध नरिमाण की गतिविधि **मई 2021** से देखी गई है ।
- मब्ज़ा ज़ांगबो नदी भारत में **गंगा नदी** में मिलने से पहले नेपाल के घाघरा या करनाली नदी में मिलती है ।



## चर्चा:

- **जल पर प्रभुत्व:**
  - चीन एक जलाशय के साथ एक तटबंध प्रकार का बाँध बना रहा है जो भविष्य में इस क्षेत्र के जल पर चीन के नियंत्रण को लेकर चर्चा बढ़ाता है।
- **सैन्य प्रतिष्ठान की संभावना:**
  - जल का उपयोग करने के अलावा ट्राई-जंक्शन के पास चीन द्वारा एक सैन्य प्रतिष्ठान बनाए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि चीन ने पहले भी अरुणाचल प्रदेश के पास यारलुंग ज़ांगबो नदी क्षेत्र में सैन्य प्रतिष्ठान विकसित किया था।
- **जल की कमी:**
  - चीन इस बाँध का उपयोग न केवल मार्ग परिवर्तन के लिये कर सकता है, बल्कि जल के संग्रहण हेतु भी कर सकता है जिससे मज़ा ज़ांगबो नदी पर निर्भर क्षेत्रों में जल की कमी हो सकती है और नेपाल में घाघरा एवं करनाली जैसी नदियों में भी जल स्तर घट सकता है।
- **चीन द्वारा विवादित क्षेत्र पर दावों को मज़बूत करना:**
  - सीमा के करीब बाँधों का निर्माण कर चीन विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा मज़बूत कर सकता है।

## चीन हाइड्रो आधिपत्य का लक्ष्य:

- चीन ने सधु, ब्रह्मपुत्र और मेकांग पर नदियों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिये बड़ी संख्या में बाँध और तटबंध बनाए हैं।
- तबिलत पर कब्ज़े के साथ चीन ने 18 देशों से होकर बहने वाली नदियों के उद्गम बंदियों पर नियंत्रण कर लिया है।
- चीन ने हजारों बाँधों का निर्माण किया है, जो अचानक पानी छोड़े जाने पर बाढ़ या पानी को रोके जाने पर सूखे की स्थिति उत्पन्न कर सकते हैं, साथ ही नदी के पारस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर सकते हैं जिससे सामान्य जन-जीवन बाधित हो सकता है।
- चीन की ब्रह्मपुत्र नदी पर चार बाँध बनाने की योजना है, जिससे ब्रह्मपुत्रनदी का प्रवाह प्रभावित होगा। भारत ने चीन के समक्ष इस बाँध निर्माण पर आपत्ति दर्ज कराई है।
- चीन ने बांग्लादेश के साथ हाइड्रोग्राफिक डेटा साझा करते हुए इसे भारत के साथ साझा करने से मना कर दिया, इसके परिणामस्वरूप असम में बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर वनिश हुआ, जिसके लिये भारत तैयार नहीं था।
- चीन पहले ही मेकांग नदी पर 11 विशाल बाँध बना चुका है, जो दक्षिण-पूर्व-एशियाई देशों के लिये चर्चा का विषय है।

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**प्रश्न.** "चीन अपने आर्थिक संबंधों और सकारात्मक व्यापार अधिषेक का उपयोग एशिया में संभाव्य सैनिक शक्ति हेतु को विकसित करने के लिये उपकरणों के रूप में इस्तेमाल कर रहा है"। इस कथन के प्रकाश में उसके पड़ोसी के रूप में भारत पर इसके प्रभाव पर चर्चा कीजिये। (2017)

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/china-builds-new-dam-in-tibet>

